• कविता...

आई नानी



ओ हो घर में आई नानी,
आज सुनेंगे खूब कहानी।
मुन्नी चुन्नी चम्पा भोला,
नहीं करेंगे अब शैतानी।
झोले में क्या लाई नानी?
गुड्डा काना गुडिया कानी।
कहां-कहां हो आई नानी?
दिल्ली हरिद्वार हल्द्वानी।
नानी ऐसी सुना कहानी,
एक हो राजा एक हो रानी।
हंस-हंस लोट पोट हो जाएं,
या आंखों में आये पानी।
एक कुंए में थोडा पानी,
उसमे नाचे लाल भवानी।
पहले बूझो यही पहेली,
फिर सुन लेना नई कहानी।

■ श्रीनाथ सिंह

आई नानी

अंतराल
बूंद बूंद से गागर
भरती होगी
लोगों की
अपनी तो सदा
खाली ही नजर आती है...
दरअसल
इतना लम्बा है यहां
बूंदों का अंतराल
कि जब तक
दूसरी आये
पहली दम तोड़ देती है...!

■ सुरेश विमल

• चुटकुले...



मास्टर साहब (गुस्से में छात्र से) : 'तुम कल स्कूल क्यों नहीं आए थे?'
छात्र : 'गुरु जी, कल घर में एक चूहा घुस आया था, तो उसे भगाने में पूरा दिन निकल गया।'
मास्टर : 'अरे! एक छोटे से चूहे को भगाने में पूरा दिन?'
छात्र : 'हां गुरु जी! चूहा तो छोटा था, लेकिन मैंने चूहेदानी में जो पनीर का टुकड़ा रखा था, वह कोहिनूर हीरे से भी ज्यादा कीमती था, उसी को बचाने में लग गए!'

मरीज : 'डॉक्टर साहब, जब मैं सोता हूं, तो मुझे अजीब-अजीब सपने आते हैं। कभी लगता है कि मैं अमेरिका में हूं, तो कभी लगता है कि लंदन घूम रहा हूं।'
डॉक्टर : 'अरे यह तो बहुत अच्छी बात है! इसमें चिंता की क्या बात है?'
मरीज : 'चिंता की बात यह है डॉक्टर साहब कि जब सुबह आंख खुलती है, तो मैं अपने आपको अपने पड़ोसी के यहां सोफे पर पाता हूं!'

• जानकारी...

भारत की नागरिकता

दुनिया के अलग-अलग देशों में रहने वाले कई लोगों के लिए भारत सिर्फ घूमने की जगह नहीं, बल्कि एक ऐसा देश भी है, जहां वे अपना भविष्य बसाना चाहते हैं. कोई यहां नौकरी और बिजनेस के सिलसिले में आता है, तो किसी का परिवार या पुरानी जड़ें भारत से जुड़ी होती हैं। ऐसे में कई विदेशी नागरिक भारतीय नागरिकता हासिल करना चाहते हैं। लेकिन क्या किसी दूसरे देश का नागरिक आसानी से भारत की नागरिकता ले सकता है? इसके लिए कितने आवेदन कहां करना होता है? भारतीय कानून में विदेशी नागरिकों के लिए नागरिकता हासिल करने के अलग-अलग रास्ते निर्धारित किए गए हैं। भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत किसी व्यक्ति को अलग-अलग तरीकों से भारत की नागरिकता मिल सकती है। इन तरीकों से मिल सकती है भारतीय नागरिकता पहला तरीका जन्म के आधार पर नागरिकता प्राप्त करना है, जिसमें व्यक्ति के जन्म की तारीख और माता-पिता की नागरिकता के आधार पर पात्रता तय होती है। दूसरा तरीका वंश के आधार पर नागरिकता हासिल करना है। इसके तहत विदेश में जन्मे व्यक्ति को उसके माता-पिता की भारतीय नागरिकता के आधार पर नागरिकता मिल सकती है। तीसरा तरीका रजिस्ट्रेशन है। इसके तहत भारतीय मूल के व्यक्ति, भारतीय नागरिक से शादी करने वाले विदेशी और कानून में बताई गई कुछ अन्य श्रेणियों के लोग आवेदन कर सकते हैं। चौथा तरीका नेचुरलाइजेशन है, जिसमें निर्धारित अवधि तक भारत में कानूनी रूप से रहने वाले विदेशी नागरिक जरूरी शर्तें पूरी करके नागरिकता हासिल कर सकते हैं।



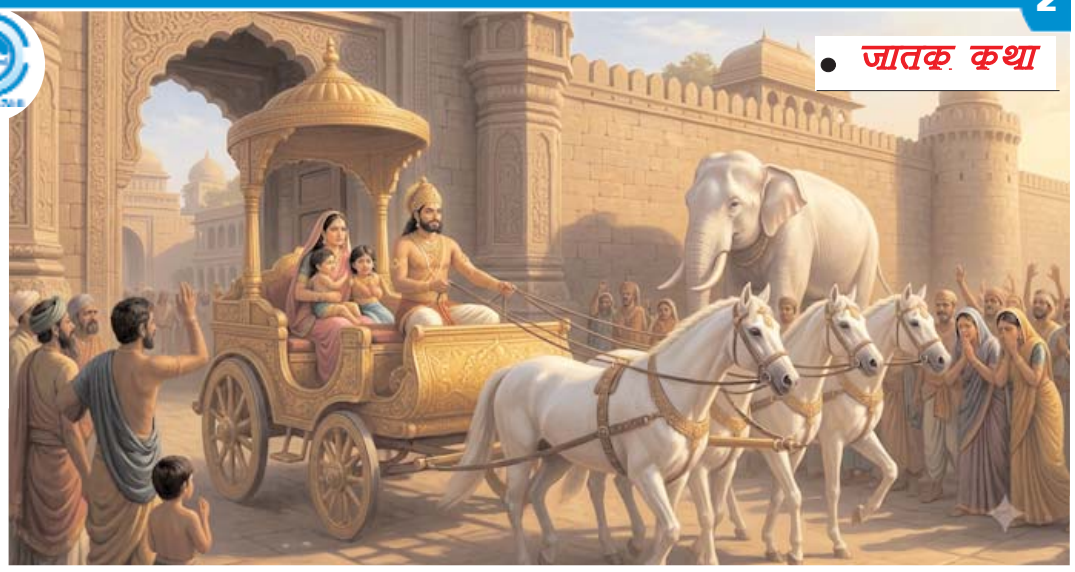
भारतीय नागरिक से शादी करने पर भी मिलती है नागरिकता

अगर कोई विदेशी नागरिक भारतीय महिला या पुरुष से शादी करता है, तो वह नागरिकता के लिए आवेदन कर सकता है। हालांकि शादी होते ही भारतीय नागरिकता नहीं मिलती। नागरिकता अधिनियम की धारा 5(1)(c) के तहत आवेदन करने के लिए आवेदक का भारतीय नागरिक से विवाहित होना और आवेदन से ठीक पहले सात साल तक भारत में सामान्य रूप से निवास करना जरूरी है। इसके अलावा वैध विदेशी पासपोर्ट, रेजिडेंशियल परमिट और भारत में पंजीकृत विवाह प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेज देने होते हैं. आवेदन की जांच के बाद ही नागरिकता देने पर फैसला लिया जाता है।

कितने साल भारत में रहने पर मिल सकती है नागरिकता?

नेचुरलाइजेशन के जरिए नागरिकता पाने के लिए सामान्य तौर पर विदेशी नागरिक को आवेदन से ठीक पहले 12 महीने लगातार भारत में रहना होता है। इसके अलावा उससे पहले के 14 वर्षों में कुल मिलाकर कम से कम 11 साल भारत में निवास या निर्धारित सरकारी सेवा की शर्त पूरी करनी होती है. इस तरह सामान्य नियम के तहत कुल 12 साल की निवास संबंधी शर्त सामने आती है। इसके साथ ही आवेदक को अच्छे व्यवहार, भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भाषा का पर्याप्त ज्ञान और भारत में रहने की इच्छा जैसी अन्य शर्तें भी पूरी करनी होती हैं।

• जातक कथा



वेस्सन्तर का त्याग

राजा हरिश्चन्द्र की कथा जेतुन्तर के राजा संजय और रानी फुसती के पुत्र वेस्सन्तर के त्याग की कहानी से संभवत: नकल होने का प्रतीत होती है। इस कहानी से झूठ, अंधविश्वास, अतिरंजित वर्णन और वैदिक चरित्रों की प्रचार को निकाल दें तो कहानी का असली सार आपको बौद्धिक ज्ञानसम्पदा का अंस विशेष लगेगा, क्यों की कलिंग बौद्ध सभ्यता की भूखंड रहा और उनकी मातृभाषा ही पाली भाषा है, जिसको अब ओड़िआ कहा जाता है।

कहा जाता है कि मात्र आठ वर्ष की अवस्था में वेस्सन्तर ने महान दान की जब प्रतिज्ञा ली थी तभी पृथ्वी प्रकंपित हो उठी थी। सोलह वर्ष की आयु में उनका विवाह मद्दी से हुआ। उसके जालि नामक पुत्र और कण्हजिना नामक पुत्री थी।

उन्हीं दिनों कलिंग राज्य में भयंकर सूखे का प्रकोप हुआ। लोग अन्न और जल के लिए त्राहि-त्राहि कर उठे। जब वहां के लोगों को यह ज्ञात हुआ कि जेतुन्तर राज्य में एक ऐसा सफेद हाथी था जिसकी उपस्थिति मात्र से इच्छानुसार बारिश होती है। इसे कलिंग राज्य के आठ ब्राह्मण जेतुन्तर पहुँचे । जब उन्हें उस हाथी के स्वामी वेस्सन्तर की दान वीरता का ज्ञान हुआ तो वे वेस्सन्तर के पास जा पहुँचे और उन्होंने वेस्सन्तर से हाथी मांगा। दानवीर वेस्सन्तर ने उनकी याचना सहर्ष स्वीकार की। उसने हाथी को कलिंग के ब्राह्मणों को सौंप दिया।

उस शुभ हाथी के दान दिये जाने की खबर से जेतुन्तर की प्रजा अत्यंत खिन्न और क्रुध हुई। लोग दौड़ते हुए राजा के पास पहुँचे। वेस्सन्तर को दण्डित करने को कहा, तब राजा संजय ने वेस्सन्तर को वनवास का आदेश दिया।

वेस्सन्तर के लाख मना करने के बावजूद भी उसकी पत्नी मद्दी भी पति का साथ देने के लिए वनवास को तैयार हुई। अंतत: वेस्सन्तर अपनी पत्नी और बच्चों के साथ चार घोड़ों के एक रथ पर सवार वन को प्रस्थान कर गया।

मार्ग में उसे चार लोभी ब्राह्मण मिले। उन्होंने वेस्सन्तर से उनके चारों घोड़ों को मांग लिया। वेस्सन्तर ने उन्हें भी अपने घोड़े सहर्ष दे दिये। जब वह स्वयं ही रथ खींचन की तैयारी करने लगा तब उसकी सहायता के लिए चार यक्ष लाल हिरणों के रूप में वहाँ पहुँचे और वेस्सन्तर के रथ को खींचते हुए जंगल की ओर बढ़े। तभी मार्ग में एक ब्राह्मण भिक्षु प्रकट हुआ। उसने वेस्सन्तर से उसका रथ मांग लिया। दान में रथ देकर वेस्सन्तर और मद्दी गोद में बच्चों को लिए पैदल ही वन की ओर बढ़ते रहे। कहा जाता है कि धूप की तपिश से उन्हें बचाने के लिए बादल उनके ऊपर छत्र बन कर चलता रहा। जब उन्हें भूख लगती तो फलों से लदे पेड़ झुक-झुक कर उन्हें फल प्रदान करते। जब उन्हें प्यास लगती तो कमल के जलाशय उनके सामने स्वत: प्रकट हो उनकी प्यास बुझाते।

-जारी

कहा जाता है कि मात्र आठ वर्ष की अवस्था में वेस्सन्तर ने महान दान की जब प्रतिज्ञा ली थी तभी पृथ्वी प्रकंपित हो उठी थी। सोलह वर्ष की आयु में उनका विवाह मद्दी से हुआ। उसके जालि नामक पुत्र और कण्हजिना नामक पुत्री थी। उन्हीं दिनों कलिंग राज्य में भयंकर सूखे का प्रकोप हुआ।

लोग अन्न और जल के लिए त्राहि-त्राहि कर उठे। जब वहां के लोगों को यह ज्ञात हुआ कि जेतुन्तर राज्य में एक ऐसा सफेद हाथी था जिसकी उपस्थिति मात्र से इच्छानुसार बारिश होती है...



• रोचक...

स्वर्ण प्रसादम



स्वर्ण प्रसादम की सबसे बड़ी खासियत इसमें इस्तेमाल होने वाला 24 कैरेट सोना है। आमतौर पर भारतीय मिठाइयों पर चांदी का वर्क लगाया जाता है, लेकिन इस मिठाई को खास बनाने के लिए खाने योग्य सोने का इस्तेमाल किया गया है। मिठाई में स्वर्ण भस्म और गोल्ड वर्क का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा इसमें चिलगोजा और प्रीमियम केसर भी डाला जाता है। चिलगोजा यानी पाइन नट्स एक महंगा ड्राई फ्रूट है, जिसका इस्तेमाल खासतौर पर प्रीमियम मिठाइयों और व्यंजनों में किया जाता है। इन सभी महंगी सामग्रियों के साथ इसकी सुनहरी ग्लेजिंग इसे देखने में भी काफी आकर्षक बनाती है। यही वजह है कि यह मिठाई सिर्फ खाने के लिए ही नहीं, बल्कि खास मौकों पर गिफ्ट देने के लिए भी तैयार की गया है। इस मिठाई की खासियत सिर्फ इसके अंदर इस्तेमाल होने वाली सामग्री तक सीमित नहीं है। इसकी पैकेजिंग भी इसे दूसरी मिठाइयों से अलग बनाती है। स्वर्ण प्रसादम को ज्वेलरी बॉक्स जैसी खास पैकेजिंग में दिया जाता है।

• हाई-स्पीड ट्रेन...



स्पेन की हाई-स्पीड ट्रेनों की रफ्तार उनके मॉडल, रेलवे लाइन और सुरक्षा प्रणाली पर निर्भर करती है। आमतौर पर वहां हाई-स्पीड सेवाएं करीब 300 किमी/घंटा की रफ्तार से चलती हैं। कुछ आधुनिक ट्रेनें इससे अधिक स्पीड की स्पीड तक चलाने के लिए भी डिजाइन की गई है। स्पेन की सरकारी रेल कंपनी Renfe की S-106 ट्रेन की अधिकतम रफ्तार हाई-स्पीड ट्रैक पर 330 किमी/घंटा तक है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि ट्रेन हर यात्रा में इसी गति से चलती है।